



# अब 16 सेंटर्स पर होंगे एग्जाम

एलयू ने जारी की संशोधित परीक्षा केंद्रों की सूची

**LUCKNOW (7 Feb):** लखनऊ विश्वविद्यालय ने 20 फरवरी से होने वाली एलएलबी विषय सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की संशोधित सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी है. अब पांच जिलों में कुल 16 केंद्र और सात नोडल केंद्र बनाए गए हैं. इनमें लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी व रायबरेली में संचालित 39 विधि कालेजों के छात्र-छात्राओं का केंद्र भेजा गया है. छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना केंद्र देख सकते हैं. एलयू ने बीते तीन फरवरी को एलएलबी के लिए 17 केंद्र और आठ नोडल केंद्र बनाए थे. अब उसमें एक-एक केंद्र कम करके नई सूची जारी की गई है.



**ये हैं परीक्षा केंद्र**  
सीएसएन पीजी कालेज हरदोई, वाईडी पीजी कालेज लखीमपुर खीरी, सीजीएन पीजी कालेज खीरी, लखनऊ विश्वविद्यालय (फैकल्टी आफ ला), डीएवी डिग्री कालेज, श्री जय नारायण मिश्र पीजी कालेज, शिवा पीजी कालेज, मां वैष्णो देवी ला कालेज, गीता ला कालेज गोमती नगर विस्तार, नवदेश्वर ला कालेज, लखनऊ ला कालेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ला कालेज, यूनिटी डिग्री कालेज, फिरोज गांधी कालेज रायबरेली, महमूदबाद ला कालेज सीतापुर, आरएमपी पीजी कालेज सीतापुर.

## अन्य परीक्षाएं भी तय

एलयू ने एलएलबी इंटीग्रेटेड प्रथम सेमेस्टर के साथ-साथ तीसरे, पांचवें, सातवें और नवें सेमेस्टर की परीक्षाओं का शेड्यूल भी जारी कर दिया है. एलएलबी इंटीग्रेटेड तीसरे सेमेस्टर- न्यू-ऑलड कोर्स (2016 से 2021) बैक पेपर, तीसरा सेमेस्टर ऑलड कोर्स की परीक्षाएं 21 फरवरी से 14 मार्च होगी. एलएलबी इंटीग्रेटेड पांचवें सेमेस्टर- न्यू व ऑलड कोर्स की परीक्षा-20 फरवरी से 13 मार्च, एलएलबी इंटीग्रेटेड सातवें सेमेस्टर न्यू कोर्स और ऑलड कोर्स की परीक्षा-21 फरवरी से 14 मार्च, एलएलबी इंटीग्रेटेड नवें सेमेस्टर ऑलड कोर्स की परीक्षा 20 फरवरी से 13 मार्च तक, नवें सेमेस्टर न्यू कोर्स की परीक्षा 20 से 24 फरवरी तक होगी. एलएलबी तीनों वर्षों पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं भी 20 फरवरी से 13 मार्च तक आयोजित की जाएंगी.

## शोध लेखों की पुस्तक जारी

**LUCKNOW (7 Feb):** एलयू के मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास विभाग के पीएचडी छात्रों की ओर से चौरी चौरी विषय पर शोध लेखों की पुस्तक जारी हुई. पुस्तक का संपादन मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग की अध्यक्ष ने किया. मंगलवार को एलयू के वीसी प्रो. अलोक कुमार राय ने पुस्तक का विमोचन किया.

## लविवि व संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ हुई 'मुलाकात'

लखनऊ: (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने लखनऊ के सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों और लखनऊ विश्वविद्यालय से सह संबद्ध जिलों हरदोई, रायबरेली, सीतापुर तथा लखीमपुर मंडल के प्राचार्यों से 'अंतर महाविद्यालयीय यूथ फेस्ट' की रूपरेखा के लिए एक मंगलवार को मुलाकात की। सभी 545 विद्यालयों के प्राचार्यों ने इस मुलाकात में भाग लिया। इस दौरान सभी प्राचार्यों और महाविद्यालय प्रतिनिधियों से कहा गया कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक होते हैं। इन प्राचार्यों में से हर मंडल में एक नोडल ऑफिसर चुना गया। इस मुलाकात में श्री गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचार्या डा. सुरभि गर्ग, नेशनल पीजी कॉलेज से डा. अर्चना सिंह, कैरियर कॉन्वेंट गर्ल्स कॉलेज से डा. दीपक सिंह, खुनखून जी गर्ल्स कॉलेज से रुचि यादव एवं डा. प्रियंका, कालीचरण पीजी कॉलेज से विशाल गर्ग, महिला महाविद्यालय से डा. रमा जैन, डा. योगेश दीक्षित, हरदोई से नीरज त्रिवेदी, मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजीआई महमूदबाद सीतापुर से डा. अफशां रिजवी, डा. देविका झा आदि उपस्थित रहे।



लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक के दौरान महाविद्यालयों के प्राचार्यों।

अमृत विचार

# प्राचार्यों ने चुना मंडल ऑफिसर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार :** लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक विभाग की ओर से मंगलवार को लखनऊ के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों और विवि से संबद्ध जिलों हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर मंडल के प्राचार्यों के साथ आगामी 'अंतर महाविद्यालयीय यूथ फेस्ट' की रूपरेखा हेतु एक बैठक आयोजित की गई। सभी 545 विद्यालयों के प्राचार्यों ने इस मुलाकात में भाग

लिया। सांस्कृतिक निर्देशिका प्रो. मधुरिमा लाल ने सभी प्राचार्यों और महाविद्यालय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक होते हैं। इन प्राचार्यों में से हर मंडल में एक नोडल ऑफिसर चुना गया। प्रो. मधुरिमा ने बताया कि सभी प्राचार्यों ने कार्यक्रम के संबंध में अपने विचार साझा किए। इसके अलावा क्षेत्र विशेष में बने नोडल कॉलेज में सभी कार्यक्रम करने पर सहमति बनी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

NBT PAGE 6

**बीएससी कंप्यूटर साइंस का प्रैक्टिकल 13 को लखनऊ।** लविवि में बीएससी तीसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 13 फरवरी को सुबह 10 से शाम 4 बजे तक होंगी। विवि के कंप्यूटर साइंस विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में पत्र जारी कर सूचना दी। (संवाद)

## रोजगार क्षमता बढ़ाने पर जोर

लखनऊ। बलरामपुर ज्योतिष हॉस्टल में मंगलवार को छात्रों के समग्र विकास विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता प्रो. मधुरिमा प्रधान ने छात्रों को रोजगार क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। (संवाद)

## डिजिटल हेल्थ इनोवेशन में हैं अवसर

लखनऊ। इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस की ओर मंगलवार को लविवि में जी-20 के तहत वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर वन हेल्थ विषय पर आयोजित परिचर्चा में मुख्य वक्ता फार्मसी विशेषज्ञ प्रो. नवीन सेठ ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में होने वाले डिजिटल हेल्थ इनोवेशन में अवसरों के बारे में बताया। वहाँ हेल्थ जेडिया संस्था की तरफ से मंगलवार को जानकीपुरम जनकल्याण समिति के साथ मिलकर लोगों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। (संवाद)

## वॉलबॉल में एलयू कबड्डी में जीआईसी जीता



■ एलबीटी, मोहाईन : सुल्तानपुर डेड फिक्ल दाल क्लब ऑफ इंडस्ट्रियल में आयोजित सात दिवसीय स्पॉर्ट्स मीट का समापन हुआ। इसमें लखनऊ के विभिन्न स्कूलों की लगभग 20 टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें वॉलबॉल, क्रिकेट तथा कबड्डी जैसे खेलों का आयोजन हुआ। वॉलबॉल के मैच में छात्राओं की टीम की हार से लखनऊ यूनिवर्सिटी ने 2-1 से लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज पर जीत दर्ज की वहीं पर लड़कों के मैच में लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज ने लखनऊ यूनिवर्सिटी को 2-0 से हराया। कबड्डी के फार्मल मुकाबले में डीएवी के छात्रों की टीम ने युवर्वा बॉलेज को 32-30 से हराया। छात्राओं के मुकाबले में जीआईसी ने लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज पर 28-24 से जीत दर्ज की।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

# अंतर महाविद्यालयीय यूथ फेस्ट की रूपरेखा पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की इकाई सांस्कृतिकी ने लखनऊ के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों और लखनऊ विश्वविद्यालय से सह संबद्ध जिलों हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर मंडल के प्राचार्यों से आगामी अंतर महाविद्यालयीय यूथ फेस्ट की रूपरेखा हेतु एक मुलाकात की। सभी 545 विद्यालयों के प्राचार्यों ने इस मुलाकात में भाग लिया। सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रो. मधुरिमा लाल ने सभी प्राचार्यों और महाविद्यालय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक होते हैं।



इन प्राचार्यों में से हर मंडल में एक नोडल ऑफिसर चुना गया। सभी प्राचार्यों ने कार्यक्रम के संबंध में अनेक बहुमूल्य विचार दिए, जिसमें कार्यक्रम होने का समय, कार्यक्रम संबंधी नियम तथा विभिन्न कार्यक्रमों के नाम आदि निर्धारित किए गए। यह तय हुआ कि क्षेत्र विशेष में बने नोडल कॉलेज में सभी कार्यक्रम

किए जाएंगे। इस मुलाकात में श्री गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सुरभि गर्ग, नेशनल पीजी कॉलेज से डॉ. अर्चना सिंह कैरियर कॉन्वेंट गर्ल्स कॉलेज से डॉ. दीपक सिंह, खुनखून जी गर्ल्स कॉलेज से रुचि यादव एवं डॉ. प्रियंका, कालीचरण पीजी कॉलेज से विशाल गर्ग, महिला

महाविद्यालय से डॉक्टर रमा जैन, सेक्रेट हार्ट कॉलेज सीतापुर से डॉ. योगेश दीक्षित, एससी बोस पीजी कॉलेज हरदोई से नीरज त्रिवेदी, मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजीआई महमूदबाद सीतापुर से डॉक्टर अफशां रिजवी, डॉ. देविका झा आदि उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस द्वारा कुलपति प्रोफेसर अलोक कुमार राय के नेतृत्व में भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर, वन हेल्थ पर जी-20 देशों के फार्मसी विशेषज्ञ के द्वारा मंगलवार को परिचर्चा संपन्न हुई। इस परिचर्चा की अध्यक्षता गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर नवीन सेठ द्वारा की गयी। सन फार्मा के वाइस प्रेसीडेंट डॉक्टर अजय खोपडे ने परिचर्चा की अध्यक्षता करी। कार्यक्रम के आरम्भ में परिचर्चा के संयोजक एवं इंस्टिट्यूट के डॉक्टर प्रोफेसर पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने सभी का स्वागत किया और बताया कि इस परिचर्चा का उद्देश्य भारतीय फार्मास्यूटिकल सेक्टर की जिम्मेदारियां एवं उपयोगिता तय करना है। प्रख्यात पैनलिस्ट में फार्मसी काउन्सिल ऑफ इंडिया के प्रेसीडेंट डॉक्टर मोटू पटेल, फ्रंस के वैज्ञानिक



एवं प्रोफेसर सर्ज मिगनानी, नाइपर हैदराबाद की डॉक्टर डॉक्टर शशि बाला सिंह, सीबीएमआर के डॉक्टर डॉक्टर आलोक धवन सम्मिलित रहे। इस अवसर पर नाइपर हैदराबाद की निदेशक डॉ. शशि बाला सिंह ने कहा कि भारत को फार्मा बाजार के रूप में जाना जाता है और हम मिलकर इसे फार्मास्यूटिकल दुनिया बना सकते हैं, ताकि हम पूरी दुनिया को दवा उपलब्ध करने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत हों। प्रख्यात पैनलिस्ट ने स्वास्थ्य आपात

स्थिति की रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया पर चर्चा की। यह परिचर्चा फार्मास्यूटिकल सेक्टर की सुदृढ़ता एवं अवसरों की खोज के लिये आयोजित हुई। सीबीएमआर के निदेशक डॉ. आलोक धवन ने देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य नवाचारों के महत्व पर जोर दिया, जिसमें प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं, ताकि न केवल एआई और एमएल का उपयोग पूरी क्षमता से किया जा सके, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों भी इससे लाभान्वित हो सकें।

परिचर्चा के मुख्य उद्देश्य फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में सहयोग को मजबूत, सुरक्षित, प्रभावी करना तथा गुणवत्ता और कम कीमत में चिकित्सा को आम नागरिकों तक उपलब्ध कराने पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई। फार्मसी काउन्सिल ऑफ इंडिया के प्रेसीडेंट डॉक्टर मोटू पटेल जी ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज पर समाधान और स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली में सुधार पर अपने विचार व्यक्त किये। इस परिचर्चा में लखनऊ विश्वविद्यालय की जी 20 समन्वयक प्रोफेसर पुनम टंडन मौजूद रही। कार्यक्रम सह संरक्षक और डिन, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह जी ने परिचर्चा के अंत में सभी गणमान्य एक्सपर्ट्स को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सम्पूर्ण देश के विभिन्न छात्र-छात्राएं तथा फार्मसी जगत से जुड़े विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सहभागिता की।

HINDUSTAN TIMES PAGE 10

# Rejuvenating UP's education sector

From implementing NEP to setting up e-learning parks and colleges for vocational training, the state has taken a slew of steps to boost education. This can help economic and social progress

It is a rare opportunity to witness and contribute to the rejuvenation of higher education in a country and a state. Over centuries, India's gurukul system of education has undergone several changes. First, the indigenous education system served the learning needs of the residents of Jambu Dwipa, a name used to describe the territory of Greater India in ancient texts. Later, the British introduced the modern education system to cater to the requirements of a society on the cusp of industrialisation. Today, India is one of the world's fastest-growing economies with a massive cohort of young people, the nation's demographic dividend. Therefore, the country's higher education system must be strong enough to nurture the potential of the young so that the country can regain its glory. In addition, a robust educational system is also vital to ensure that the country attains its United Nations Sustainable Development Goals that focus on education, eradication of poverty and deprivation and accelerating economic growth. "We want that education by which character is formed, strength of mind

is increased, the intellect is expanded and by which one can stand on one's own feet," said Swami Vivekananda. Taking inspiration from this, the National Education Policy (NEP) 2020 talks about "access, equity, and quality" to aim for an increase in the Gross Enrolment Ratio and improve the employability and entrepreneurship (self-employment) skills of students. The holistic and multi-disciplinary approach of NEP 2020, which focuses on multifaceted development opportunities in higher education, is being implemented by restructuring courses and pedagogy, emphasising the Indian knowledge system in the curriculum. In addition, it gives students the flexibility to enter and exit any programme, ensures inter-institutional mobility and the opportunity to choose and study subjects from different domains. The third aspect facilitates the integration of the humanities with STEM (science, technology, engineering, mathematics). This initiative encourages cross-disciplinary and inter-disciplinary thinking. But all this is easier said than done. India is diverse, which poses a challenge to inclusivity at different levels of the education system. For decades, the higher education system of Uttar Pradesh (UP) has been waiting to witness reforms because it has its own set of challenges: High density of population, diverse demographics and inadequate investment, especially from the private sector. But the silver lining was the quality of talent of students and teachers. The rejuvenation of the state's edu-

cation system was inevitable with proper policy protection, and encouragement from the top political leadership. The change started with the incentive for innovation and expansion of education from the top. Due to the determination and positive approach of the decision-makers, UP became the first state in the country to implement NEP 2020 when Lucknow University revamped its post-graduate course structure from the 2020-21 academic session in line with the policy. It also implemented a four-year undergraduate programme, compulsory co-curricular and vocational courses, mandatory internship and dissertation, inter-departmental and intra-departmental credit transfer system, flexible entry and exit, and a part-time PhD programme. All the state universities of UP have implemented most provisions of NEP. In addition, new initiatives, such as Academic Bank for College and University Students — Uttar Pradesh (ABACUS-UP), have been a remarkable attempt to connect teachers and students. Further, e-learning parks will be set up to help students from rural areas access high-speed internet to facilitate accessing online learning opportunities. The government is also setting up colleges for vocational and skill development courses to increase the employability of the youth. Mahatma Gandhi once said, "True education must correspond to the surrounding circumstances or it is not a healthy growth." This aspect is being addressed by establishing a centre for advanced study and various



Alok Kumar Rai